न्यूज डायरी

कोरोना वायरस का डर नहीं, घोड़े पर सवार होकर निकलीं ब्रिटेन की महारानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन में जारी कोरोना वायरस के कहर के बीच महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने लॉकडाउन शुरू होने के बाद पहली बार घोड़े की सवारी की थी। 94 साल की क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय ने अपने महल के अंदर बने लॉन में घोड़े पर सवार होकर निकलीं। महारानी ने कोरोना वायरस के खतरे के बाद भी अपने शौक को मरने नहीं दिया और 14 साल के बालमोरान फेर्न की सवारी की। दरअसल, ब्रिटेन में कोरोना वायरस के कहर को देखते हुए महारानी ने 10 सप्ताह पहले खुद को आइसोलेशन में कर लिया था। इससे पहले ऐसी खबरें आई थीं कि महारानी प्रतिदिन घुड़सवारी करती हैं। हालांकि उनकी कोई तस्वीर सामने नहीं आई थी। लॉकडाउन को लेकर चल रही मायूसी के बीच ब्रिटेन महारानी ने खूबसूरत सी ड्रेस पहनकर घुड़सवारी की। इससे पहले उन्होंने देशवासियों को भरोसा दिलाया था कि इस महामारी के खिलाफ युद्ध में हम सफल होंगे।

डब्लूएचओ में फिर शामिल होने के लिए यूएस ने रखी शर्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर निकल चुके अमेरिका ने फिर से शामिल होने के लिए नई शर्त रखी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाहर निकलने के ऐलान के 2 दिन बाद अपने रूख में नरमी लाते हुए अमेरिका ने कहा कि वह डब्ल्यूएचओ में फिर से शामिल होने पर विचार कर सकता है। उधर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओश्ब्रायन ने रविवार को कहा कि अगर डब्ल्यूएचओ भ्रष्टाचार और चीन के प्रति झुकाव को खत्म करे तो उनका देश फिर से इसमें शामिल हो सकता है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को डब्ल्यूएचओ से नाता तोड़ते हुए उसपर चीन के प्रति झुकाव रखने और कोरोना वायरस महामारी को लेकर जानकारियां छिपाने का आरोप लगाया था।

वाइट हाउस का वो बंकर जहां हर संकट में सेफ किये जाते हैं अमेरिकी राष्ट्रपति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका में एक अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की पुलिस हिरासत में मौत से माहौल गर्मा गया है। हिंसा की आग में वहां के 30 शहर झुलसने लगे हैं। रविवार को हिंसक प्रदर्शनों की आग राष्ट्रपति निवास वाइट हाउस तक पहुंच गई। भारी संख्या में प्रदर्शनकारी वाइट हाउस के बाहर जुटे तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सीक्रेट सिक्योरिटी को खतरा महसूस हुआ। फौरन ट्रंप को ऐसे ही हालात के लिए बिल्डिंग के नीचे बने प्रेसिडेंशियल इमर्जेंसी ऑपरेशंस सेंटर में ले जाया गया। हालांकि कुछ समय बाद, उन्हें वहां से बाहर निकाल लिया गया।
दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका को डर था कि कहीं दुश्मन हवाई हमलों के जरिए वाइट हाउस को निशाना न बना ले। तब राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट थे जिनकी सुरक्षा के लिए वाइट हाउस के नीचे ही 1942 में बंकर तैयार किया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टैड्रोस ऐडरेनॉम गैबरेयेसस ने 2017 में डब्लूएचओ की कमान संभाली थी। कहा जाता है कि उन्हें यह पद चीन के पैरवी करने के कारण मिला था।

लेडी गागा ने डॉनल्ड ट्रंप को घेरा, बताया मुर्ख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका में अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हिंसक प्रदर्शनों के बीच अब सिंगर लेडी गागा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। गागा ने ट्रंप को रंगभेद करनेवाला और मूर्ख तक कह दिया। गागा ने आगे लिखा कि हम पहले से जानते हैं कि ट्रंप फेल हो चुके हैं। अमेरिका में इस वक्त जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद प्रदर्शन हो रहे हैं जो उग्र हो चुके हैं। 46 साल के फ्लॉयड की मौत मिनियापोलिस में पुलिस कस्टडी में हुई थी। एक पुलिस वाले का वीडियो भी सामने आया था जो फ्लॉयड की गर्दन पर पैर रखकर बैठा था। वह करीब आठ मिनट तक ऐसे ही बैठा रहा, इस दौरान फ्लॉयड बार–बार चिल्ला रहे थे कि वह सांस नहीं ले पा रहे, उन्हें छोड़ दिया जाए। पुलिसवाले पर थर्ड डिग्री मर्डर का चार्ज लगा है।

जासूसी प्रकरण के खुलासे से पाकिस्तान को लगी मिर्ची

आपत्ति

वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को तलब किया

■पाकिस्तान ने यह भी कहा कि भारतीय कार्रवाई कूटनीतिक संबंधों पर वियेना समझौते का उल्लंघन है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने जासूसी के आरोप में नयी दिल्ली स्थित अपने उच्चायोग से दो अधिकारियों को निष्कासित किए जाने के भारत के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताने के लिए वरिष्ठ भारतीय राजनयिक को सोमवार को तलब किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय राजनयिक को कड़ी आपत्ति जताने के लिए तलब किया गया है।
पाकिस्तान ने कहा कि उसने भारतीय राजनयिक को इसलिए तलब किया है कि वह यह बताना चाहता है कि नयी दिल्ली में पाक उच्चायोग के दो अधिकारियों को निषिद्ध घोषित करने की पाकिस्तान निंदा करता है। यही नहीं उनके खिलाफ लगाए गए सभी निराधार आरोपों को खारिज करता है। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि भारतीय कार्रवाई कूटनीतिक संबंधों पर वियेना समझौते और कूटनीतिक नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

आबिद हुसैन और मोहम्मद ताहिर।

इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि नयी दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के दो स्टाफ सदस्यों को भारतीय अधिकारियों ने झूठे और अप्रमाणित आरोपों पर 31 मई को पकड़ा था। हालांकि, इसने कहा कि उच्चायोग के हस्तक्षेप के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। बता दें कि पाकिस्तान सीमा पर ही नहीं बल्कि भारत के भीतर भी अपने नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

दो कर्मचारी भारत के खिलाफ जासूसी करते पकड़े गए: नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी हाई कमिशन के दो कर्मचारी भारत के खिलाफ जासूसी करते पकड़े गए हैं। आईएसआई के जासूस पाकिस्तानी हाई कमिशन में काम करते हुए इन्फॉर्मेशन जुटा रहे थे। रविवार को उन्हें रंगे हाथ क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट एक्सचेंज करते पकड़ा गया। उनकी गिरफ्तारी ने पाकिस्तान के स्पाई ट्रैप का नक्शा सामने रख दिया है।
आईएसआई के ये जासूस खुद को कारोबारी बताकर डिफेंस ऑफिसर्स से मिलते। उनसे कहते कि न्यूज रिपोर्टर्स के लिए इन्फॉर्मेशन ले रहे हैं। जानकारी हाथ लगते ही आईएसआई तक पहुंचा दी जाती। पाकिस्तान की प्लानिंग कश्मीर से लेकर मिलिट्री तक के सीक्रेट्स हासिल करने की है। तीनों को आईएसआई से पूरी ट्रेनिंग मिली थी। आबिद हुसैन (42) और ताहिर खान (44) फर्जी आधार कार्ड लेकर घूम रहे थे। वो जिस कार में घूम रहे थे, उसे जावेद हुसैन चला रहा था। ये डिफेंस के अधिकारियों को बार–बार ललचाते, बहाने से उनसे इन्फॉर्मेशन निकलवाने की कोशिश करते। इस वजह से मिलिट्री इंटेलिजेंस के रडार पर थे।

भारत में महंगा हुआ एलपीजी, इमरान ने घटाए पेट्रोल–डीजल के दाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
इस्लामाबाद। भारत में मंगलवार को जहां एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोत्तरी कर दी गई वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने पेट्रोल और डीजल के दाम में भारी कटौती करने का ऐलान किया। इमरान ने ट्वीट कर पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल के दाम की तुलना भारत सहित एशिया के अन्य देशों से कर डाली। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण एशिया के देशों में ईंधन के सबसे कम दाम पाकिस्तान में ही हैं।
इमरान खान ने ट्वीट में लिखा कि, हमने पेट्रोल, लाइट डीजल और मिट्टी के तेल की कीमतों में भारी कमी की है। अब हमारे देश में दक्षिण एशिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे सस्ता ईंधन है। भारत में यह लगभग दोगुना है। बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल में भी इनके दाम हमारे यहां से 50 से 75 फीसदी अधिक महंगे हैं।
अंतरराष्ट्रीय बाजार में रसोई गैस या एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी होने के कारण इंडियन ऑयल कारपोरेशन एवं अन्य सरकारी ऑयल कंपनियों ने घरेलू बाजार में एलपीजी सिलेंडर रिफिल की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर 11.50 रुपये महंगा होकर अब 593 रुपये में मिलेगा।

अमेरिका में 52 साल बाद सबसे भीषण हिंसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयर्ड की मौत के बाद लगातार छठवें दिन भी हिंसा जारी है। राजधानी वॉशिंगटन सहित देश के 40 से ज्यादा शहरों में उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए कर्फ्यू का ऐलान किया गया है। बताया जा रहा है कि अमेरिका के इतिहास में 52 साल बाद यह सबसे भीषण हिंसा और नस्लीय अशांति की घटना है। इससे पहले साल 1968 में मार्टिन लूथर किंग की हत्या के बाद ऐसा ही हिंसक संघर्ष देखने को मिला था। सोमवार को भी न्यूयॉर्क, शिकागो, फिलाडेल्फिया और लॉस एंजिल्स में प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की झड़प हुई।

चीन ने दी चेतावनी, कहा–अमेरिका से जारी कोल्ड वॉर का हिस्सा न बने भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। लद्दाख सीमा पर जारी विवाद के बीच चीन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत को अमेरिका के साथ चल रहे विवाद से दूर रहना चाहिए। चीन ने यह भी कहा कि भारत में राष्ट्रवादी भावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं जो चीन–अमेरिका के बीच संभावित कोल्ड वॉर की स्थिति का अत्याधित लाभ उठाने के लिए भी उकसा रही हैं। चेतावनी भरे लहजे में चीन ने कहा कि अगर भारत इनमें पड़ता है तो कोरोना महामारी के बीच आर्थिक परिणाम बेहद भयावह होंगे।

परिणाम अच्छे नहीं होंगेः चीन सरकार के प्रोपगेंडा मैगजीन ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि भारत

भारत को राजनीतिक कारणों से आर्थिक नुकसान ठीक नहीं

को अमेरिका–चीन के बीच जारी कोल्ड वॉर में शामिल होने के बारे में सावधान रहने की जरूरत है। अगर भारत, अमेरिका का साझीदार बनकर चीन के खिलाफ कुछ भी करता है तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। यही वजह है कि मोदी सरकार को नए भू–राजनीतिक विकास का सामना निष्पक्ष और तर्कसंगत रूप से करने की आवश्यकता है। उसने यह भी कहा कि भारत को अपने देश में चीन के खिलाफ उठने वाली आवाजों को भी रोकना चाहिए।

भारत चीन विवाद में यूएस के शामिल होने पर निशानाः ग्लोबल टाइम्स ने लद्दाख में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के पेशकश पर भी निशाना साधा। मैगजीन ने लिखा कि भारत को चीन के साथ अपने संबंधों में किसी भी समस्या से निपटने में अमेरिका को शामिल करने से सावधान रहना चाहिए। इससे केवल मुद्दा और जटिल ही होगा। हाल ही में चीन–भारत सीमा तनाव के बारे में भी यही सच है।

भारत न बने अमेरिकी मोहरा ग्लोबल टाइम्स ने आगे लिखा कि अगर शीत युद्ध में भारत, अमेरिका की ओर झुक जाता है या चीन पर हमला करने वाला अमेरिकी मोहरा बन जाता है, तो दो एशियाई पड़ोसियों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को एक विनाशकारी झटका लगेगा।

मानवीय सहायता देने वाले काफिले पर हमले में 35 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) औगाडौगू (बुर्किना फासो)। पूर्वी बुर्किना फासो में अज्ञात बंदूकधारी ने मवेशी बाजार में अंधाधुंध गोलीबारी कर 25 लोगों की जान ले ली। अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इस अस्थिर देश में विशेष तौर पर हिंसक रहे सप्ताहंत में यह सबसे घातक हमला है। सरकारी बयान के मुताबिक देश के उत्तरी हिस्से, सनमातेंगा में एक अलग हमले में, मानवीय सहायता देने जा रहे काफिले पर गोलीबारी की गई जिसमें पांच असैन्य नागरिकों और पांच सुरक्षा कर्मियों की मौत हो गई। अनेक लोग लापता हैं। दोनों हमले शनिवार को हुए। इस्लामी चरमपंथियों और उनसे लड़ रहे स्थानीय रक्षा समूहों और सेना से जुड़ी हिंसा बुर्किना फासो में बढ़ती जा रही है। करीब 2,000 लोगों की पिछले साल मौत हुई थी। सप्ताहंत में हुए इस हमले से एक दिन पहले ही उत्तरी हिस्से में 15 लोग मारे गए थे। मोरक्को के थिंक टैंक, पॉलिसी सेंटर फॉर न्य साउथ की वरिष्ठ फेलो और साहेल शोधार्थी रिदा ल्यामोरी ने कहा, "इन नये नरसंहारों के पीछे कौन है यह साफ नहीं लेकिन असैन्य नागरिक एक बार फिर हिंसक संघर्ष के बीच फंस गए हैं और मुख्य शिकार बने हुए हैं।"